छत्तीसगढ़ से गुरजने वाली 58 ट्रेने फिर से रद्द

रायपुर। आरएनएस . छत्तीसगढ़ से गुजने वाली 58 ट्रेनों को रेलवे ने फिर से रद्द कर दिया है। ये ट्रेने 6 सितंबर तक रद्द रहेगी। इससे पहले बड़ी संख्या में बिलासपुर रेल मंडल में ब्लॉक के एवज में रद्द की गई थी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर रेल मंडल के राजनांदगांव-कलमना रेल खंड के बीच में काचेवानी रेलवे स्टेशन को जोडने का कार्य एवं ऑटो सिगनलिंग सहित अनेक कार्यों, नॉन इंटरलोकिंग का कार्य किया जाएगा. यह नॉन इंटरलोकिंग का कार्य 29 अगस्त से 6 सितंबर तक किया जायेगा।

रदद होने वाली गाडियां

(01) दिनांक 30 अगस्त, 2022 से 05 सितम्बर, 2022 तक दुर्ग से छूटने वाली 08741 दुर्ग-गोंदिया मेमू स्पेशल रद्द रहेगी

(02)दिनांक 30 अगस्त, 2022 से 05 सितम्बर, 2022 तक गोंदिया से छूटने वाली 08742 गोंदिया-दुर्ग मेमू स्पेशल रद्द रहेगी

(03)दिनांक 30 अगस्त, 2022 से 05 सितम्बर, 2022 तक गोंदिया से छूटने वाली 08743 गोंदिया-इतवारी मेमू रद्द रहेगी

(04)दिनांक 30 अगस्त, 2022 से 05 सितम्बर, 2022 तक इतवारी से छूटने वाली 08744 इतवारी-गोंदिया मेमू रद्द रहेगी

(05) दिनांक 30 अगस्त, 2022 से 05 सितम्बर, 2022 तक रायपुर से छूटने वाली 08267 रायपुर-इतवारी स्पेशल पैसेंजर रद्द रहेगी

(06) दिनांक 31 अगस्त, 2022 से 06 सितम्बर, 2022 तक इतवारी से छूटने वाली 08268 इतवारी-रायपुर स्पेशल पैसेंजर रद्द रहेगी

(07) दिनांक 30 अगस्त, 2022 से 05 सितम्बर, 2022 तक कोरबा से छूटने वाली 18239 कोरबा-इतवारी एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(08) दिनांक 31 अगस्त, 2022 से 05 सितम्बर, 2022 तक कोरबा से छूटने वाली 18240 इतवारी-कोरबा एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(09) दिनांक 31 अगस्त, 2022 से 05 सितम्बर, 2022 तक बिलासपुर से छूटने वाली 12855 बिलासपुर-इतवारी इंटरसिटी एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(10) दिनांक 31 अगस्त, 2022 से 06 सितम्बर, 2022 तक इतवारी से छूटने वाली 12856 इतवारी-बिलासपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(11) दिनांक 30 अगस्त, 2022 से 04 सितम्बर, 2022 तक टाटानगर से छूटने वाली 18109 टाटानगर-इतवारी एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(12) दिनांक 30 अगस्त, 2022 से 06 सितम्बर, 2022 तक को इतवारी से छूटने वाली 18110 इतवारी-टाटानगर एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(13) दिनांक 30 अगस्त, 2022 से 04 सितम्बर, 2022 तक कुर्ला से छूटने वाली 18029 कुर्ला-शालीमार एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(14) दिनांक 30 अगस्त, 2022 से 04 सितम्बर, 2022 तक शालीमार से छूटने वाली 18030 शालीमार-कुर्ला एक्सप्रेस रद्द रहेगी

15) दिनांक 30 अगस्त, 2022 से 03 सितम्बर, 2022 तक अमृतसर से छूटने वाली 18238 अमृतसर- कोरबा छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस रद्द रहेगी

16) दिनांक 30 अगस्त, 2022 से 05 सितम्बर, 2022 तक कोरबा से छूटने वाली 18237 कोरबा-अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(17) दिनांक 30 अगस्त, 2022 से 04 सितम्बर, 2022 तक हावड़ा से छूटने वाली 12810 हावड़ा-मुंबई मेल एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(18) दिनांक 30 अगस्त, 2022 से 04 सितम्बर, 2022 तक मुंबई से छूटने वाली 12809 मुंबई-हावड़ा मेल एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(19) दिनांक 30 अगस्त, 2022 से 04 सितम्बर, 2022 तक हावड़ा से छूटने वाली 12834 हावड़ा-अहमदाबाद एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(20) दिनांक 30 अगस्त, 2022 से 04 सितम्बर, 2022 तक अहमदाबाद से छूटने वाली 12833 अहमदाबाद-हावड़ा एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(21) दिनांक 30 अगस्त, 2022 से 04 सितम्बर, 2022 तक हावड़ा से छूटने वाली 12130 हावड़ा- पुणे आजाद हिन्द एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(22) दिनांक 30 अगस्त, 2022 से 04 सितम्बर, 2022 तक पुणे से छूटने वाली 12129 पुणे-हावड़ा आजाद हिन्द एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(23) दिनांक 30 अगस्त, 2022, 02 एवं 03 सितम्बर, 2022 को शालीमार से छूटने वाली 12101हावड़ा-शालीमार सुपर डिलेक्स एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(24) दिनांक 01, 04 एवं 05 सितम्बर, 2022 को हावड़ा से छूटने वाली 12102 शालीमार-हावड़ा सुपर डिलेक्स एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(25) दिनांक 31 अगस्त, 2022 से 03 सितम्बर, 2022 तक रीवा से छूटने वाली 11754 रीवा-इतवारी एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(26) दिनांक 01 एवं 04 सितम्बर, 2022 को इतवारी से छूटने वाली 11753 इतवारी-रीवा एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(27) दिनांक 31 अगस्त, 2022 एवं 02 सितम्बर, 2022 को सिकंदराबाद से छूटने वाली 12771 सिकंदराबाद-रायपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(28) दिनांक 01 एवं 03 सितम्बर, 2022 को रायपुर से छूटने वाली 12772 रायपुर-सिकंदराबाद एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(29) दिनांक 02 सितम्बर, 2022 को हटिया से छूटने वाली 22846 हटिया-पुणे एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(30) दिनांक 04 सितम्बर, 2022 को पुणे से छूटने वाली 22845 पुणे-हटिया एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(31) दिनांक 01 एवं 03 सितम्बर, 2022 को बिलासपुर से छूटने वाली 20845 बिलासपुर-बीकानेर एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(32) दिनांक 04 एवं 06 सितम्बर, 2022 को बीकानेर से छूटने वाली 20846 बीकानेर-बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(33) दिनांक 30 अगस्त, 2022 एवं 05 सितम्बर, 2022 को बिलासपुर से छूटने वाली 20843 बिलासपुर-भगत की कोठी एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(34) दिनांक 03 एवं 08 सितम्बर, 2022 को भगत की कोठी से छूटने वाली 20844 भगत की कोठी- बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(35) दिनांक 02 एवं 03 सितम्बर, 2022 को हटिया छूटने वाली 12812 हटिया-कुर्ला एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(36) दिनांक 04 एवं 05 सितम्बर, 2022 को कुर्ला छूटने वाली 12811कुर्ला-हटिया एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(37) दिनांक 31 अगस्त, 2022 एवं 01 सितम्बर, 2022 को पोरबंदर छूटने वाली 12905 पोरबंदर- शालीमार एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(38) दिनांक 02 एवं 03 सितम्बर, 2022 को शालीमार छूटने वाली 12906 शालीमार-पोरबंदर एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(39) दिनांक 01 एवं 05 सितम्बर, 2022 को कोचुवेलि छूटने वाली 22648 कोचुवेलि-कोरबा एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(40) दिनांक 03 एवं 07 सितम्बर, 2022 को कोरबा छूटने वाली 22647 कोरबा-कोचुवेलि एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(41) दिनांक 03 सितम्बर, 2022 को कामख्या छूटने वाली 22512 कामख्या-कुर्ला एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(42) दिनांक 06 सितम्बर, 2022 को कुर्ला छूटने वाली 22511कुर्ला-कामख्या एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(43) दिनांक 03 सितम्बर, 2022 को संतरागाछी छूटने वाली 20822 संतरागाछी-पुणे एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(44) दिनांक 05 सितम्बर, 2022 को पुणे छूटने वाली 20821पुणे-संतरागाछी एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(45) दिनांक 04 सितम्बर, 2022 को तिरुनेलवेली छूटने वाली 22620 तिरुनेलवेली-बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(46) दिनांक 06 सितम्बर, 2022 को बिलासपुर छूटने वाली 22619 बिलासपुर-तिरुनेलवेली एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(47) दिनांक 03 सितम्बर, 2022 को मालदा छूटने वाली 13425 मालदा-सूरत एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(48) दिनांक 05 सितम्बर, 2022 को सूरत छूटने वाली 13426 सूरत-मालदा एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(49) दिनांक 01 सितम्बर, 2022 को हावड़ा छूटने वाली 22894 हावड़ा-साइनागर शिरडी एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(50) दिनांक 03 सितम्बर, 2022 को हावड़ा छूटने वाली 22893 साइनागर शिरडी-हावड़ा एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(51) दिनांक 01 सितम्बर, 2022 को बिलासपुर छूटने वाली 12849 बिलासपुर-पुणे एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(52) दिनांक 02 सितम्बर, 2022 को पुणे छूटने वाली 12850 पुणे-बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(53) दिनांक 04 सितम्बर, 2022 को ओखा छूटने वाली 22905 ओखा-शालीमार एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(54) दिनांक 06 सितम्बर, 2022 को बिलासपुर छूटने वाली 22906 शालीमार-ओखा एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(55) दिनांक 04 सितम्बर, 2022 को कुर्ला छूटने वाली 12145 कुर्ला-पूरी एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(56) दिनांक 06 सितम्बर, 2022 को पूरी छूटने वाली 12146 पूरी-कुर्ला एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(57) दिनांक 31 अगस्त, 2022 को गाधीधाम छूटने वाली 22973 गाधीधाम-पूरी एक्सप्रेस रद्द रहेगी

(58) दिनांक 03 सितम्बर, 2022 को पूरी छूटने वाली 22974 पूरी-गाधीधाम क्सप्रेस रद्द रहेगी

वहीं कुछ गाडियों को बीच में समाप्त किया जाएगा।

(1)दिनांक 30 अगस्त, 2022 से 04 सितम्बर, 2022 तक मुंबई से छूटने वाली गाड़ी 12105 मुंबई-गोंदिया विदर्भा एक्सप्रेस को नागपुर स्टेशन में ही समाप्त होगी

(2)दिनांक 31 अगस्त, 2022 से 05 सितम्बर, 2022 तक गोंदिया से छूटने वाली गाड़ी 12106 गोंदिया- मुंबई विदर्भा एक्सप्रेस नागपुर स्टेशन से ही मुंबई के लिए रवाना होगी

(3)दिनांक 30 अगस्त, 2022 से 04 सितम्बर, 2022 तक छत्रपति महाराज टर्मिनल से छूटने वाली गाड़ी 11039 छत्रपति महाराज टर्मिनल(मुंबई)-गोंदिया एक्सप्रेस को नागपुर स्टेशन में ही समाप्त होगी

(4) दिनांक 01से 06 सितम्बर, 2022 तक गोंदिया से छूटने वाली गाड़ी 11040 गोंदिया-छत्रपति महाराज टर्मिनल(मुंबई) एक्सप्रेस को नागपुर स्टेशन से ही रवाना होगी।

वनकर्मी हड़ताल पर, ग्रामीण मशाल लेकर खदेड़ रहे हाथी

कोरबा (आरएनएस)। कोरबा वन कर्मियों के हड़ताल में चले जाने से जंगल की सुरक्ष सुरक्षा भगवान भरोसे हो गई है। कटघोरा वन मंडल के पसान वरिक्षेत्र के खमहरिया व बनिया गांव के जंगल में 14 हाथियों का दल पिछले चार दिन से विचरण कर रहा है। हाथियों पर निगरानी नहीं होने की वजह से धान की फसल और आवास को नुकसान हो रहा। हलकान ग्रमीण अब खुद जान माल की सुरक्षा के लिए मशाल लेकर हाथियों को खदेडऩे की जुगत में लग गए हैं। वन समिति के सदस्यों को सुरक्षा की जवाबदारी देकर अधिकारी अपना कत्र्तव्य पूरा कर लिए हैं।

वन कर्मचारियों के जंगल में तैनाती के बाद भी वन परिक्षेत्र से लगे गांवों में हाथियों का उत्पात नहीं थम रहा था। अब वन परिक्षेत्राधिकारी सहित सभी सहयोगी कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने से हाथी प्रभावित गांव असुरक्षित हो गए हैं। कटघोरा वन मंडल में इन दिनों हाथियों के दो अलग.अलग दल घूम रहे हैं। खास तौर पर पसान वन परिक्षेत्र में 14 हाथियों के दल ने उत्पात मचा रखा है। हाथी किसानों की फसलए घर और अनाज को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। परेशान ग्रामीण विवश होकर रतजगा कर हाथियों से निपटने के लिए जान जोखिम में डाल रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग से कोई मदद नहीं मिल रही है। निगरानी के अभाव में गांव के आसपास हाथियों के आने के पूर्व सूचना नहीं मिलती। इससे लोगों में भय बना हुआ है। सबसे अधिक समस्या रात के समय होती है। सुरक्षा के नाम पर टार्च भी उपलब्ध नहीं कराया गया हैं। ऐसे में ग्रामीण मशाल लेकर खुद हाथी खदेड़ रहे हैं। वन विभाग की ओर से वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होने से ग्रामीण भीड़ लगा ले रहे हैं और इसे नियंत्रित करने वाला कोई नहीं है। आपाधापी में कभी भी कोई भी हाथियों के चपेट में आ सकता है। बीते दिनों ऐसी ही घटना क्षेत्र में हो चुकी है। खमरिया निवासी किसान अपने खेत की सुरक्षा के लिए हाथी खदेडऩे गया था और हाथी पलट कर उसे कुचल दिया। घटना स्थल पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई।

वन परिक्षेत्राधिकारी धर्मेंद्र चौहान ने का कहना है कि वन परिक्षेत्र के कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने से वैकल्पि तौर पर सुरक्षा की जिम्मेदारी वन समिति के सदस्यों कोदी गई है। गांव खमरिया के रामेश्वर कंवर का कहना है कि हाथी लगातार गांव के आसपास मंडरा रहे हैं। नुकसानी से ग्रामीण परेशान हैं। वन विभाग की ओर से मुआवजा प्रकरण बनाने में भी देरी की जा रही है। विभाग से कोई सहयोग नहीं मिल रहा है। मशाल तैयार करने व मिट्टी तेल खरीदी के लिए चंदा इकट्ठा करना पड़ रहा है। ग्रामीण ने बतया कि अब तक 20 से 30 हजार रुपये की राशि आपस में मिलाकर चंदा किया है। मिट्टी तेल की कीमत अधिक होने से चंदे की राशि भी कम पड़ रही है।

हाथी प्रभावित क्षेत्रों में एलिफेंट रेस्क्यु सेंटर बनाए जाएंगे

हाथी प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को राहत पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन ने नए स्तर पर कार्योजना बनाने में जुट गई है। कोरबा कलेक्टर ने कहा,कि जिन स्थानों पर हाथियों का उत्पात ज्यादा रहता है वहां एलिफेंट रेस्यु सेंटर बनाए जाएंगे जो सामान्य दिनों में सामुदायिक भवन का काम करेंगी जबकि आपात स्थिती में हाथियों से बचने के उपयोग में आएगा। कोरबा कलेक्टर के निर्देश पर कुछ चिन्हित ईलाकों में एलिफेंट रेस्यु सेंटर स्थापित करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है जिसे मंजूरी के लिए शासन के पास भेज दिया गया है। इस संबंध में कोरबा कलेक्टर संजीव झा ने बताया,कि जिले के पसान,कोरबी, पोड़ी,अजगर बहार सहित अन्य प्रभावित स्थानों में रेस्क्यु सेंटर बनाया जाएगा जो सामान्य दिनों में सामुदायिक भवन की तरह काम करेगा जबकि आपात स्थिती में लोगों को बचाने के काम में आएगा। कलेक्टर ने कहा,कि हाथी प्रभावित अधिकतर ईलाकों में कच्चे मकान है जो हाथियों के उत्पात से अक्सर टूट जाया करते हैं लिहाजा से सेंटर लोगों को बचाने का काम करेंगे। कोरबा के पसान क्षेत्र में इन दिनों हाथियो का आतंक कुछ ज्यादा ही बढ़ गया है जहां आए दिन हाथी या तो फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं या फिर लोगों को मकानों को तोड़ते हैं हालांकि प्रशासन प्रभावितों को मुआवजा जरुर देता है लेकिन स्थाई समाधान नहीं निकाला पाता। अब जब प्रशासन ने एलिफेंट रेस्क्यु सेंटर बनाने की घोषणा की है, तो उम्मीद जताई जा रही है, कि यह लोगों को राहत जरुर पहुंचाएगा।

वर्तमान हड़ताल में शामिल नहीं होने वाले कर्मचारियों को 25 से 29 जुलाई तक हड़ताल अवधि को अवकाश स्वीकृत करते हुए किया जाए भुगतान

- सामान्य प्रशासन विभाग ने विभागाध्यक्षों और कलेक्टर्स को जारी किया आदेश
- 22 अगस्त से निरंतर हड़ताल में शामिल कर्मचारियों पर वर्ष 2006 में जारी परिपत्र के अनुसार की जाएगी कार्रवाई

रायपुर (आरएनएस)। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सभी विभागाध्यक्षों एवं कलेक्टर्स को निर्देश जारी कर कहा गया है कि विभिन्न कर्मचारी संगठनों के आव्हान पर जो कर्मचारी विगत 25 जुलाई से 29 जुलाई 2022 तक की अवधि में हड़ताल में थे एवं वर्तमान में हड़ताल में शामिल नहीं हुए हैं, उन्हें 25 जुलाई से 29 जुलाई 2022 तक हड़ताल अवधि को अवकाश स्वीकृत करते हुए वेतन भुगतान किया जाए। जारी निर्देश में कहा गया है कि जो कर्मचारी 25 जुलाई से 29 जुलाई तक हड़ताल में थे एवं 22 अगस्त 2022 से निरंतर हड़ताल में हैं उनकी अनुपस्थिति के संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 10 अप्रैल 2006 को जारी परिपत्र के अनुसार कार्यवाही की जाए। उक्त परिपत्र में जारी निर्देश के अनुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। बिना पूर्व स्वीकृति के सामूहिक अवकाश पर जाने की दशा में अथवा हड़ताल का वेतन इत्यादि देय नहीं होगा न ही इस प्रकार की अनुपस्थिति के दिवसों का अवकाश स्वीकृत किया जाएगा। ऐसे दिवसों की अवधि का कोई वेतन इत्यादि देय नहीं होगा और इस अवधि को ब्रेक-इन-सर्विस माना जाएगा।

उपरोक्त के अतिरिक्त जब कभी शासकीय सेवकों द्वारा उक्त प्रकार के कृत्य किए जाए तो ऐसे घोर अनुशासनहीनता करने वालों के विरूद्ध गुणदोषों के आधार पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के आदेश सक्षम अधिकारी दे सकेंगे।

उरगा-चांपा नेशनल हाइवे : बारिश में उखड़ गई 30 में से 17 किलोमीटर सड़क

कोरबा (आरएनएस)। उरगा-चांपा नेशनल हाइवे की 30 में से 17 किलोमीटर सडक़ बारिश में पूरी तरह उखड़ गई है। इसकी वजह से करतला और कोरबा ब्लॉक की डेढ़ लाख से अधिक आबादी को हिचकोले खाते हुए आवाजाही करनी पड़ रही है। शहर के लोग तो 15 किलोमीटर घूमकर कनकी मार्ग से आवाजाही कर रहे हैं। बारिश के बाद फिर से टायरिंग नहीं कराने पर लोगों की परेशानी और बढ़ जाएगी। चांपा से कोरबा और कटघोरा सडक़ मार्ग को पीडब्ल्यूडी ने वर्ष 2017 में नेशनल हाइवे अथॉरिटी को सौंपा था। इस बीच एक ही बार कोथारी तक मरम्मत हुई। जमीन अधिग्रहण की देरी की वजह से गर्मी के समय ही फोरलेन सडक़ का काम शुरू हुआ। 830 करोड़ की लागत से बन रहे नेशनल हाइवे सडक़ की दुर्दशा से शहर के लोग ही नहीं ग्रामीण भी परेशान हैं।

ब्लॉक और जिला मुख्यालय को जोडऩे वाली यह प्रमुख सडक़ है। चांपा मार्ग पर 24 घंटे भारी वाहनों का दबाव भी रहता है। सबसे अधिक परेशानी कोथारी से फरसवानी के बीच हो रही है। 5 किलोमीटर सडक़ की मरम्मत नहीं कराई गई थी। गड्ढों में गिट्टी भरने से बारिश के समय भारी वाहन चलने से दूर छिटक गए। 20 साल से सडक़ का नवीनीकरण नहीं हुआ है। इसकी वजह से बेस कमजोर हो गया है। गड्ढों में गिट्टी भरने से वह टिक नहीं पा रहा है। एनएचएआई ने उरगा से कोथारी तक पिछले साल जो टायरिंग कराया था, वह भी पिछली बारिश में ही कमजोर हो गई थी। इसकी वजह से परेशानी बढ़ गई है। फोरलेन सडक़ का निर्माण वर्ष 2023 तक पूरा करना है। ऐसे में अभी 16 महीने का और समय लगेगा। तब तक पुरानी सडक़ से ही लोगों को आवाजाही करनी पड़ेगी। पहंदा के पास भी सडक़ पूरी तरह उखड़ चुकी है। बारिश बंद होने के बाद धूल उडऩे से भी लोग परेशान हैं। फोरलेन सडक़ का एक हिस्सा बनाकर दूसरे हिस्से में काम शुरू कराया जाएगा। अब तक बरपाली के आगे मड़वारानी के बीच सडक़ का काम तेजी से कराया जा रहा है। यहां पर बारिश के बाद टू लेन सडक़ पर कांक्रीट का काम शुरू होगा।

राज्य में शाला भवनों की मरम्मत एवं रखरखाव के लिए स्वीकृत किए 500 करोड़ रुपए

- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का स्कूली विद्यार्थियों के हित में बड़ा फैसला
- मुख्य सचिव को दिए निर्देश- 'वर्षा ऋ तु समाप्त होते ही शालाओं की मरम्मत का कार्य तत्काल प्रारंभ किया जाए
- लंबे समय से शाला भवनों की मरम्मत के लिए पर्याप्त राशि का प्रावधान ना होने से विद्यार्थियों की पढ़ाई में उत्पन्न हो रही थी बाधा

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश के विभिन्न शाला भवनों की मरम्मत एवं रखरखाव के लिए 500 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की है। उन्होंने मुख्य सचिव को 'सभी शालाओं में निर्विघ्न पढ़ाई सुनिश्चित करने के लिए वर्षा ऋतु समाप्त होते ही शाला भवनों की मरम्मत का कार्य तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री बघेल ने मुख्य सचिव को दिए गए निर्देशों में कहा है कि प्रदेश व्यापी भेंट-मुलाकात अभियान के दौरान ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों तथा मीडिया प्रतिनिधियों से शाला भवनों की दशा के बारे में जानकारी मिली थी। लंबे समय से शाला भवनों की मरम्मत के लिए पर्याप्त राशि का प्रावधान ना होने से मरम्मत का कार्य नहीं हो सका इससे विद्यार्थियों की पढ़ाई में बाधा उत्पन्न हो रही थी।

मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को निर्देश दिए हैं कि आगामी शालेय सत्र (जून 2023) आरंभ होने के पूर्व शालाओं की मरम्मत एवं रखरखाव हेतु कम से कम 500 करोड़ रूपये (पांच सौ करोड़ रुपये) का प्रावधान किया जाए।

छत्तीसगढ़ के 11 आईएएस अधिकारियों के प्रभार में हुआ परिवर्तन

रायपुर (आरएनएस)। मंत्रालय महानदी भवन से देर रात जारी आदेश के अनुसार आईएएस अधिकारियों की हुई प्रशासनिक सर्जरी में 11 आईएएस अधिकारी प्रभावित हुए है।

मिली जानकारी के अनुसार पंचायत विभाग की जिम्मेदारी शहला निगार को दी गई है। वहीं संयुक्त सचिव गोविंद राम चुरेंद्र को पुलिस जवाबदेही प्राधिकार का सचिव बनाया गया है। डॉ. सीआर प्रसन्ना को कौशल विकास विभाग का सचिव बनाया गया है। साथ ही उन्हें स्वास्थ्य विभाग का सचिव बनाकर चिकित्सा शिक्षा का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। अन्य अधिकारियों में भुवनेश यादव को महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ ही समाज कल्याण विभाग का सचिव बनाया गया है इसके अतिरिक्त उन्हें निशक्तजन का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। उनकी उक्त पदस्थापना से उपरोक्त प्रभार से रीना बाबा साहेब कंगाले मुक्त होंगी। नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के सीईओ भीमसिंह को संचालक स्वास्थ्य सेवाएं बनाया गया है। इसके अलावा उन्हें वाणिज्यकर आयुक्त कर अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। किरण कौशल को नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण का सीईओ बनाया गया है। संजय अग्रवाल को स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण का संचालन बनाया गया है। सरगुजा संभाग के उपायुक्त संतन देवी जांगड़े को रायगढ़ का अतिरिक्त कलेक्टर बनाया गया है। वहीं कोरिया के अपर कलेक्टर सुखनाथ अहिरवार को कांकेर व भगवानसिंह उइके को कोरिया पदस्थ किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव द्वारा जारी उक्त आदेश के अनुसार प्रभार में परिवर्तित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से पदस्थापना स्थल पहुंचकर पदभार व कार्यभार ग्रहण करने का आदेश दिया गया है।

एमआईसी ने गोलबाजार के 172 व्यवसायियों को भूमि के विक्रय अंतरण की स्वीकृति प्रस्ताव की अनुषंसा की

- भैसथान में भूखण्ड के मोनेटाईजेशन के संबंध में सैद्धांतिक स्वीकृति

रायपुर (आरएनएस)। आज नगर पालिक निगम रायपुर के मुख्यालय भवन महात्मा गॉधी सदन के तृतीय तल सभाकक्ष में महापौर एजाज ढेबर की अध्यक्षता एवं आयुक्त मयंक चतुर्वेदी, एमआईसी सदस्य श्रीअंजनी राधेश्याम विभार, श्रीद्रौपती हेमंत पटेल, सर्वनागभूषण राव, सतनाम सिंह पनाग, सुन्दर लाल जोगी, रितेश त्रिपाठी, आकाश तिवारी, जितेन्द्र अग्रवाल, सुरेश चन्नावार, अपर आयुक्त सुनील चंद्रवंशी, शैलेन्द्र पाटले, निगम सचिव डॉ. आर.के. डोंगरे, विधि अधिकारी पंकज शर्मा, जोन कमिश्नरगणों, विभाग के प्रभारी अधिकारियों की उपस्थिति में रायपुर नगर निगम की मेयर इन काउंसिल एमआईसी की बैठक हुई। जिसमें नगर हित में विभिन्न एजेण्डों पर गहन चर्चा कर जनहित में निर्णय नियमानुकुल तरीके से लिये गये।

महापौर एजाज ढेबर ने 26 से 28 अगस्त तक रायपुर में हुए अखिल भारतीय महापौर परिषद् के 51 वें वार्षिक सम्मेलन में शानदार मेजबानी करते हुए अतिथि देवो भव: के भाव के साथ कड़ी मेहनत करने के लिए निगम के सभी जनप्रतिनिधियों सहित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की चुस्त कार्यप्रणाली की सराहना की। उन्होने कहा कि सभी अतिथि महापौरगण रायपुर नगर निगम सहित रायपुर शहर एवं नागरिको के संबंध में बहुत शानदार विचार लेकर गये है एवं वे शानदार स्वागत से यहां अभिभूत हो गये और इसकी स्वयं राज्यपाल सुअनुसुइया उईके एवं मुख्यमंत्री भूपेष बघेल ने सराहना करते हुए नगर निगम रायपुर को इसके लिए धन्यवाद दिया है। महापौर एजाज ढेबर ने स्मार्ट सिटी रायपुर को बूढातालाब के सौंदर्यीकरण कार्य हेतु पुरस्कृत किये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के एमडी एवं निगम आयुक्त मयंक चतुर्वेदी सहित रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित नगर निगम के जनप्रतिनिधियों, जोन अधिकारियों को धन्यवाद दिया। महापौर ने कहा कि बूढातालाब को स्वच्छ व सुन्दर बनाने मुख्यमंत्री भूपेष बघेल एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया के नेतृत्व में मुख्य सचिव नगरीय प्रशासन एवं विकास सचिव रायपुर के कलेक्टर, निगम आयुक्त, जोन कमिश्नर सहित विभिन्न सामाजिक स्वयं सेवी संगठनों, जनप्रतिनिधि पार्षदों ने बूढातालाब की सफाई के कार्य में स्वस्फूर्त श्रमदान दिया था एवं उसे सुन्दर व स्वच्छ बनाने भागीदार सभी बने थे। उसे प्रोजेक्ट को पुरस्कार मिलना स्मार्ट सिटी, नगर निगम सहित रायपुर शहर के लिए प्रसन्नता का विषय है।

महापौर एजाज ढेबर की अध्यक्षता में एमआईसी की बैठक में जोन 2 क्षेत्र में मेसर्स रायपुर काम्पलेक्स द्वारा भागीदार जगदीश प्रसाद अग्रवाल को बस स्टैण्ड पंडरी में स्थायी लीज पर आबंटित भूमि के लीज नवीनीकरण के संबंध में विभागीय प्रस्ताव अनुसार नियमानुसार स्वीकृति दी गई। एमआईसी ने नगर निगम रायपुर के स्वामित्व वाले भैसथान स्थित भूखण्ड खसरा नंबर 385/1, 2, 3 तथा 389/1, 2 के नगर निगम मुख्यालय राजस्व विभाग द्वारा रखे गये विभागीय प्रस्ताव के अनुसार मोनेटाईजेशन के संबंध में विचार विमर्ष किया।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-२21359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com, RNI NO :- CHHHIN/2018/76480